GIO
NATIONAL FEDERATION

नेशनल फेडरेशन ऑफ जीआईओ

नीति और कार्यक्रम

जनवरी 2025 - दिसंबर 2026

नेशनल फेडरेशन ऑफ
गर्ल्स इस्लामिक ऑर्गनाइजेशन

नीति और कार्यक्रम

जनवरी 2025 - दिसंबर 2026

**मुख्य कार्यालय: डी-321, अबुल फ़ज़ल एन्क्लेव, जामियानगर, ओखला,
नई दिल्ली, भारत I पिन: 110025**

वेबसाइट - ww.gioindia.org I **ई-मेल** - federation@gioindia.org

GIO
NATIONAL
FEDERATION

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

भूमिका

मेरी प्रिय बहनों,

अस्सलामु अलैकुम वरहमतुल्लाहि वबरकातुहु

अल्लाह की दया और कृपा के साथ, हम राष्ट्रीय फेडरेशन GIO के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत कर रहे हैं। पिछले वर्ष GIO की 40 साल की यात्रा पूरी हुई—एक ऐसी यात्रा जिसमें आप में से प्रत्येक ने योगदान दिया है। जब हम इन वर्षों की यात्रा पर चिंतन करते हैं, तो GIO शहरों, कस्बों और राज्यों में विस्तारित हुआ है और राष्ट्रीय स्तर पर कई युवा महिलाओं के लिए एक ऐसा मंच प्रदान कर रहा है, जिसका उद्देश्य छात्राओं और युवतियों को क़ुरान और सुन्नत के प्रकाश में समाज के पुनर्निर्माण के लिए तैयार करना है।

जब हम इस यात्रा को जारी रखते हैं और संगठन के मिशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करते हैं, तो हमें उन सभी बहनों के योगदान को याद रखना चाहिए जो इस शानदार यात्रा का हिस्सा रही हैं, साथ ही अतीत में हमारे नेताओं के प्रयासों और बलिदानों को भी याद रखना चाहिए। मैं प्रार्थना करती हूं कि अल्लाह उनकी मेहनत को स्वीकार करें और इसे उनके लिए सदक़ा ए जारिया बना दें।

इस कार्यकाल की शुरुआत में, हम अपने बड़े परिवार में दो नए GIO ज़ोन—GIO हरियाणा और GIO अंडमान—का स्वागत कर रहे हैं, जो पिछले वर्ष के अंत में स्थापित हुए थे और अब इस कार्यकाल में फेडरेशन के नए सदस्य बन चुके हैं। इसके अलावा, छत्तीसगढ़ और असम में भी GIO की स्थापना के प्रयास किए जा रहे हैं, इंशाअल्लाह।

प्रिय बहनों!

आज के युग में, जहां हम विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में प्रगति देख रहे हैं, वहीं दुनिया और हमारे देश में अन्याय, हिंसा और अत्याचार भी बढ़ रहे हैं। केवल भौतिक विकास से दुनिया एक बेहतर जगह नहीं बन रही है, बल्कि नैतिक और सामाजिक मूल्यों में गिरावट आ रही है। ऐसे समय में, हमें अपने उद्देश्य पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है।

GIO से हमारा संबंध इस कारण है कि हम मुसलमान होने के नाते अपनी जिम्मेदारी निभाएं। नेकी का हुक्म दें और बुराई से रोकें। यह एक बहुआयामी संघर्ष है तथा व्यक्तिगत, सामूहिक, आध्यात्मिक, पेशेवर, और सामाजिक स्तर पर प्रयास की मांग करता है।अल्लाह कुरआन में फरमाता है:

وَجَـٰهِدُوا۟ فِى ٱللَّهِ حَقَّ جِهَادِهِۦ ۚ هُوَ ٱجْتَبَىٰكُمْ وَمَا جَعَلَ عَلَيْكُمْ فِى ٱلدِّينِ مِنْ حَرَجٍ

"अल्लाह की राह में वैसे ही जिहाद करो जैसे जिहाद करने का हक़ है। उसने तुम्हें चुना है और तुम्हारे लिए धर्म में कोई कठिनाई नहीं रखी।"

(सूरह अल-हज्ज, आयत 78)

आज, जब हर कदम पर फ़ितने मौजूद हैं और कोई भी व्यक्ति, चाहे वह कितना ही धार्मिक क्यों न हो, इनसे बचा नहीं रह सकता, तो यह आवश्यक है कि हम अपने नफ्स की बुराइयों और अनुचित इच्छाओं के ख़िलाफ़ संघर्ष करें। हमें अपनी ज़िंदगी ऐसे जीनी चाहिए जिससे अल्लाह राज़ी हो और हर मामले में उसी से मार्गदर्शन मांगना चाहिए।

नई रणनीति और योजनाएँ

इस कार्यकाल में, फेडरल कमेटी ने पिछली गतिविधियों और लक्ष्यों का आकलन करते हुए अपनी नीति और कार्यक्रम तैयार किए हैं। तीन मुख्य उद्देश्यों—(1) ज़ोन के बीच समन्वय स्थापित करना, (2) तरबियत (शिक्षा और आध्यात्मिक विकास) पर ध्यान केंद्रित करना, और (3) महिलाओं और छात्रों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर मीडिया में सशक्त प्रतिनिधित्व करना—को ध्यान में रखते हुए, कमेटी ने वर्तमान पहलों को नई रणनीतियों के साथ जारी रखने का निर्णय लिया है।

राष्ट्रीय स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन दर्शन फेडरेशन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए ज़ोन का सहयोग और भागीदारी अनिवार्य है। इसके अलावा, हमारे कार्यकर्ताओं का विस्तार करना एक अहम

आवश्यकता है, और यह केवल ज़मीनी स्तर के प्रयासों से संभव होगा। ज़ोन को इस आवश्यकता को समझना चाहिए और अपने प्रयासों को मज़बूत करना चाहिए।

इसी तरह, प्रशिक्षण भी एक महत्वपूर्ण पहलू है, जिस पर इकाई स्तर से ध्यान देने की ज़रूरत है ताकि सदस्यों और भावी नेतृत्व की मज़बूत नींव तैयार हो सके। ज़ोन को विशेष आवश्यकताओं और प्रशिक्षण(तरबियत) के विभिन्न पहलुओं पर केंद्रित कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिए और चुने हुए सदस्यों की विशेष बैठकें आयोजित करनी चाहिए।

छात्र समुदाय को केंद्र में रखते हुए विश्वविद्यालय परिसरों में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से उनसे संवाद स्थापित करना भी अत्यंत आवश्यक है। राष्ट्रीय स्तर पर केंद्रीय विश्वविद्यालयों पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए और ज़ोन को भी इस दिशा में काम करना चाहिए।

इस नीति का एक प्रमुख पहलू नेतृत्व विकास और वैचारिक प्रशिक्षण है। इसके अतिरिक्त, मीडिया और जनसंपर्क में सक्रिय भागीदारी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि महिलाओं, छात्रों और समाज से संबंधित मुद्दों को प्रभावी रूप से संबोधित किया जा सके। मुख्यधारा की मीडिया में मुस्लिम महिलाओं की ग़लत छवि को सुधारना और एक वास्तविक, सकारात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत करना हमारी प्राथमिकताओं में रहेगा।

भविष्य की योजनाएँ इसके अलावा, व्यापक सामाजिक भागीदारी के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की जा रही हैं। एक राष्ट्रीय अभियान शुरू किया जा रहा है जिसमें सभी ज़ोन और विश्वविद्यालय परिसरों के सदस्य भाग लेंगे ताकि GIO की आवाज़ को राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक प्रभावशाली बनाया जा सके। ज़ोन को चाहिए कि वे इस नीति का अध्ययन करें और हर संभव तरीके से अपना योगदान दें।

इन सामूहिक प्रयासों के माध्यम से, हम अपने सिद्धांतों को बनाए रखने, परिवर्तन की प्रेरणा बनने, और समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए कार्यरत हैं। अल्लाह हमें इस राह में साबित क़दम रखे और हमें अपने उद्देश्य के लिए कार्य करने की शक्ति दे। आमीन।

وَالَّذِيْنَ جَاهَدُوْا فِيْنَا لَنَهْدِيَنَّهُمْ سُبُلَنَا ۭ وَاِنَّ اللّٰهَ لَمَعَ الْمُحْسِنِيْنَ

"जो लोग हमारी राह में प्रयास करते हैं, हम उन्हें अवश्य अपने मार्ग दिखाएंगे। और निश्चय ही अल्लाह भलाई करने वालों के साथ है।"

(सूरह अल-अंकबूत, आयत 69)

एडवोकेट सुमैया रोशन

राष्ट्रीय अध्यक्ष, GIO फेडरेशन

******

लक्ष्य

फेडरेशन का लक्ष्य ईश्वरीय मार्गदर्शन के आलोक में महिला छात्राओं और युवतियों को समाज के पुनर्निर्माण के लिए तैयार करना होगा।

उद्देश्य

फेडरेशन का उद्देश्य अल्लाह की प्रसन्नता प्राप्त करना और निम्नलिखित उद्देश्यों की पूर्ति में परलोक में सफलता प्राप्त करना होगा:

1. जी.आई.ओ क्षेत्रों के बीच समन्वय,बातचीत और विचारों के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाना।

2. राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय मीडिया और अन्य मंचों पर जी.आई.ओ का प्रतिनिधित्व करना और महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपना रुख़ तैयार करना।

3. फेडरल समिति के सदस्यों में नेतृत्व कौशल और प्रशिक्षण विकसित करना और जब भी आवश्यकता हो राष्ट्रीय स्तर की कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।

कार्यप्रणाली

1. क़ुरान और सुन्नत फेडरेशन के वास्तविक मार्गदर्शक और आधार होंगे।

2. फेडरेशन अपनी सभी गतिविधियों में नैतिक सीमाओं का पालन करेगा।

3. अपने उद्देश्य और लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए फेडरेशन रचनात्मक और शांतिपूर्ण तरीक़े और वैध साधन अपनाएगा और ऐसे सभी कार्यों से दूर रहेगा, जिनसे सांप्रदायिक घृणा और वर्ग संघर्ष हो सकता है या जो शांति और सौहार्द के मूल्यों के लिए हानिकारक हैं।

नीतिः

फेडरेशन जी.आई.ओ जोनों के बीच समन्वय,विचारों के आदान-प्रदान और संसाधनों की पहचान को सुगम बनाएगा और छात्र समुदाय के भीतर काम को मज़बूत करने के लिए अपनी गतिविधियों का विस्तार करेगा ।

संगठन के मिशन को प्राप्त करने के लिए जी.आई.ओ क्षेत्रों और राज्य स्तरीय संस्थाओं के रूप में उत्तरोत्तर काम कर रहे हैं। हालांकि, वर्तमान राजनीतिक और सामाजिक परिदृश्य में ऐसी चुनौतियां हैं जिन पर समय रहते ध्यान देने, जागरूकता लाने और उनसे निपटने के लिए तत्परता की आवश्यकता है। क्षेत्रों के बीच प्रभावी समन्वय से आंदोलन की गति बढ़ेगी, जो वर्तमान परिदृश्य की सेवा के लिए आवश्यक है। इससे क्षेत्रों को को उन्नत और मज़बूत बनाने में मदद मिलेगी। विचारों को साझा करने से यह सुनिश्चित होगा कि फेडरेशन और ज़ोन दोनों आपसी विकास के माध्यम से अपने उद्देश्यों को प्राप्त करें।

फेडरेशन जी.आई.ओ जोनों के बीच समन्वय और बातचीत को सुगम बनाएगा ताकि संगठन के मिशन को प्राप्त करने के लिए सामूहिक रूप से प्रयास किया जा सके। सभी उपलब्ध संसाधनों,कार्य के खोजे गए क्षेत्रों, प्रतिभाओं और कौशल के माध्यम से शक्तियों की पहचान पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। जोनों के बीच विचार सृजन और उनके आदान-प्रदान और साझा करने के प्रयास किए जाएंगे। फेडरेशन जी.आई.ओ क्षेत्रों का उनके संबंधित स्थापना के वर्षों में मूल्यांकन करेगा और उनकी कमज़ोरियों के माध्यम से उनके सुधार के क्षेत्रों और अवसरों को पहचानेगा और इसका उपयोग करने और विभिन्न क्षेत्रों में इसे लागू करने के लिए एक योजना तैयार करेगा।

यह विभिन्न क्षेत्रों की साझा चिंताओं की पहचान करेगा और उन पर काम करेगा तथा अपने सदस्यों के बीच पारस्परिक संबंधों का माहौल बनाएगा। फेडरेशन अपने उद्देश्यों की प्राप्ति को बढ़ाने के लिए फेडरेशन की नीति और योजना के साथ मेल खाने वाले क्षेत्रों की गतिविधियों को समेकित और विस्तारित करने का प्रयास करेगा। फेडरेशन क्षेत्रों को एक सामान्य संगठनात्मक संस्कृति और संरचना स्थापित करने में सहायता करेगा और गैर-सदस्य राज्यों में GIO को पेश करने का प्रयास करेगा। यह परिसरों में छात्र समुदाय के बीच अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने और विस्तार करने में GIO क्षेत्रों की सहायता भी करेगा।

फेडरेशन महत्वपूर्ण मुद्दों पर जीआईओ के लिए एक स्टैंड तैयार करेगा और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मीडिया प्लेटफार्मों पर जीआईओ का प्रतिनिधित्व करेगा। यह इस्लाम को जीवन की अंतिम प्रणाली के रूप में प्रस्तुत करके समाज के सशक्तिकरण के लिए भी प्रयास करेगा।

फेडरेशन उत्पीड़न, शोषण, अनैतिकता, भ्रष्टाचार, असमानता, अंधविश्वास, हत्या, भ्रूण हत्या, दहेज की मांग, लड़कियों के साथ भेदभाव और उपभोक्तावाद जैसी बुराइयों के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाएगा। यह सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए आपसी अधिकारों, सहिष्णुता और मानवता के प्रति सम्मान को प्रोत्साहित करेगा। फेडरेशन राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मीडिया और अन्य प्लेटफार्मों पर चिंता के महत्वपूर्ण मुद्दों को उचित रूप से संबोधित करने का प्रयास करेगा। लिंग, स्त्रीत्व, समाज में महिलाओं की भूमिका और स्थिति और परिसरों में छात्र मुद्दों से संबंधित मुद्दों को प्राथमिकता देगा।

यह मुस्लिम महिलाओं का सही प्रतिनिधित्व करके मुख्यधारा के मीडिया में निर्मित रूढ़ियों और आख्यानों को चुनौती देने का भी प्रयास करेगा। इसके अलावा फेडरेशन राष्ट्र की वृद्धि और विकास में सकारात्मक योगदान देने वाली सशक्त महिलाओं की कहानियों को लोकप्रिय बनाने के माध्यम से मुस्लिम महिलाओं की एक वैकल्पिक छवि प्रस्तुत करने का भी प्रयास करेगा। यह सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए मीडिया और अन्य क्षेत्रों में मुस्लिम महिलाओं के प्रतिनिधित्व के लिए भी प्रयास करेगा। यह जनसंपर्क बनाने का प्रयास करेगा। इस्लाम और मुस्लिम महिलाओं से संबंधित मुद्दों पर जनता की राय को प्रभावित करने का प्रयास किया जाएगा। फेडरेशन जी.आई.ओ नेताओं को चिंता के महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक रुख तैयार करने के लिए प्रशिक्षित करेगा, लेकिन कुरान और सुन्नत के प्रकाश में संभावित समाधान भी प्रस्तुत करेगा, जो अंततः इस्लाम को जीवन की प्रणाली के रूप में प्रस्तुत करेगा।

फेडरेशन अपने सदस्यों के प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करेगा और उनके नेतृत्व कौशल को विकसित करेगा ताकि वे अपने व्यक्तिगत और सामूहिक जीवन में इस्लाम के सच्चे प्रतिनिधि बन सकें।

फेडरेशन अपने सदस्यों के आध्यात्मिक, बौद्धिक, वैचारिक और व्यावहारिक विकास के लिए इस तरह प्रयास करेगा कि वे सत्य के मार्ग पर धैर्य और दृढ़ता की प्रतिमूर्ति बन सकें। यह अल्लाह की प्रसन्नता, परलोक में जवाबदेही की भावना, त्याग की भावना, तौबा और अल्लाह से क्षमा मांगने की भावना के साथ हासिल किया जाएगा।

फेडरेशन अपने कैडर से चुने हुए सदस्यों की पहचान करेगा, उन्हें नेतृत्व और अन्य कौशल से लैस करेगा और उनकी क्षमता विकसित करने के लिए व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करेगा ताकि वे समाज और इस्लामी आंदोलन के लिए सबसे अच्छी संपत्ति बन सकें। यह समाज और तहरीक के लिए उपयोगी होने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में कैडर के बीच शैक्षणिक विकास को बढ़ावा देगा। कार्यशालाओं और कार्यक्रमों के आयोजन के माध्यम से सामूहिक और व्यक्तिगत प्रयासों के माध्यम से प्रशिक्षण को प्रोत्साहित किया जाएगा। फेडरेशन मज़बूत वैचारिक सोच हासिल करने और उसे पोषित करने के लिए साहित्य और

आसपास के अध्ययन और चिंतन की संस्कृति को विकसित करने का प्रयास करेगा। फेडरेशन अपने कैडर के बीच वर्तमान दुनिया में सामाजिक-राजनीतिक विकास और घटनाओं के साथ आधुनिकतम रहने की प्रथा विकसित करने का प्रयास करेगा।

******

कार्यक्रम और लक्ष्य

संगठन:

• क्षेत्रीय नेताओं को फेडरेशन की नीति और कार्यक्रम समझाने के लिए एक ऑनलाइन तफ़हीमी इजलास आयोजित किया जाएगा।

• हर छह महीने में एक फेडरल समिति की बैठक आयोजित की जाएगी ताकि ज़ोन के विचारों और गतिविधियों का आदान-प्रदान हो सके।

• जी.आई.ओ ज़ोन को उनकी संरचना को मज़बूत करने में सहायता की जाएगी।

• जिन जमात हलकों में जी.आई.ओ मौजूद नहीं है, उन्हें जी.आई.ओ ज़ोन स्थापित करने में सहायता की जाएगी।

• कैडर में से विशिष्ट क्षेत्रों के विशेषज्ञों की पहचान की जाएगी और मीडिया और शोध जैसे संगठन के लिए उनका उपयोग किया जाएगा।

• फेडरेशन की गतिविधियों की रिपोर्ट हर चार महीने में जे.आई.एच को दी जाएगी।

• फेडरल समिति के लिए वार्षिक समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी और सचिवालय कीhai बैठकें छह महीने में एक बार आयोजित की जाएंगी।

• NFGIO न्यूज़लेटर जारी किया जाएगा।

कैडर विकास:

• हमारे कैडर में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने और CUET आदि जैसे प्रवेश के लिए मार्गदर्शन करने के प्रयास किए जाएंगे।

• चयनित सदस्यों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम/कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।

• मनोविज्ञान स्नातकों के लिए इस्लामिक मनोविज्ञान/परामर्श प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा।

• केंद्रीय विश्वविद्यालयों में GIO गतिविधियों को मज़बूत करने के लिए क्षेत्रों को सहायता दी जाएगी।

• परिसरों में मौजूदा जी.आई.ओ इकाइयों को मज़बूत किया जाएगा और अन्य में नई इकाइयां स्थापित की जाएंगी।

• के छात्रों के लिए व्यावसायिक मुलाकातें आयोजित की जाएंगी।

मीडिया:

• चयनित मुद्दों पर चर्चा के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस और प्रेस विज्ञप्तियां आयोजित की जाएंगी।

• विशिष्ट मुद्दों के लिए विभिन्न स्तरों (क्षेत्रीय और जिला) पर प्रेस मीट और प्रेस विज्ञप्तियां जारी की जाएंगी।

• नए डिजिटल प्लेटफॉर्म/टूल की खोज की जाएगी और मौजूदा प्लेटफॉर्म पर अपनी पहुंच बढ़ाने के प्रयास किए जाएंगे।

• फेडरेशन मीडिया टीम और जोनल मीडिया सचिवों के लिए मीडिया महारत कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।

• कैडर के लिए मीडिया साक्षरता कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

• जी.आई.ओ नेताओं के लिए मीडिया प्रशिक्षण या मीडिया जुड़ाव कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

• पत्रकारों और मीडिया घरानों के साथ डेटा संग्रह और प्रभावी संपर्क निर्माण के लिए प्रयास किए जाएंगे

• शिक्षा के क्षेत्र में अल्पसंख्यक छात्रों के सामने आने वाले मुद्दों पर प्रकाश डाला जाएगा।

• मीडिया फर्स्ट रिस्पांस टीम बनाई जाएगी।

• विशेष अवसरों पर कैडर को ईमेल न्यूज़लेटर भेजे जाएंगे।

• सोशल मीडिया अभियान चलाया जाएगा।

जनसंपर्क:

• प्रभावशाली युवतियों, युवा संगठनों, पत्रकारों, पेशेवरों, छात्र नेताओं और नौकरशाहों आदि के साथ संपर्क स्थापित किए जाएंगे और जनसंपर्क दौरे किए जाएंगे।

• फेडरल समिति के सदस्यों और क्षेत्रीय नेताओं के लिए जनसंपर्क प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे।

• जनसंपर्क सामग्री तैयार की जाएगी जैसे डिजिटल दस्तावेज़, सरल पुस्तिकाएं और ब्रोशर, ताकि इसे जनता तक पहुंचाया जा सके।

प्रशिक्षण:

• अखिल भारतीय जी.आई.ओ क्षेत्रीय नेताओं की बैठक आयोजित की जाएगी।

• फेडरल समिति के सदस्यों को उनकी म्युटालिया/अध्ययन को बढ़ाने के लिए हर छह महीने में एक रीडिंग प्लान प्रदान किया जाएगा, जिसके बाद इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए जाएंगे।

• संघीय समिति के सदस्यों और क्षेत्रों से चयनित सदस्यों के लिए एक व्यापक नेतृत्व पाठ्यक्रम आयोजित किया जा सकता है।

• महत्वपूर्ण

विषयों पर अध्ययन और शोध आयोजित किए जाएंगे।

• संघीय समिति के सदस्यों के लिए आध्यात्मिक विकास सत्र आयोजित किए जाएंगे।

समाज:

• ऑनलाइन कार्यक्रम तीन महीने में एक बार आयोजित किए जाएंगे।

• विभिन्न क्षेत्रों में मुस्लिम और महिला उपलब्धियों को मान्यता दी जाएगी और उन्हें सम्मानित किया जाएगा।

• एक राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जाएगा।

• मुस्लिम महिलाओं के बीच पहचान के संकट के मुद्दे को संबोधित करने के लिए एक विषय पर एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

******